श्रीगंगानगर में बाढ़ के हालात, सेना बुलाने की तैयारी

श्रीगंगानगर इलाके में पिछले तीन दिनों से लगातार तेज वर्षा हो रही है और अब हालात बेकाबू हैं

श्रीगंगानगर, 15 जुलाई (कासं)। श्रीगंगानगर में शुक्रवार सुबह लगातार तीसरे दिन बरसात के बाद हालात विकट हो गए। गली मोहल्ले पानी से लबालब हो गए। घरों व दुकानों में पानी भर गया। सड़कों पर पानी भर जाने से लोग परेशान हैं। सड़क पर लगने वाली नारियल पानी की दुकानों के काउंटर पानी में तैरते दिखाई दिए। वहीं कई दुकानदारों ने दुकान में पानी घुसने से बचाने के लिए इसके आगे तिरपाल और ईंटें आदि लगाई। इलाके में पिछले तीन दिन से लगतार तेज बरसात हो रही है। ऐसे में तीसरे दिन हालात लगभग बेकाबू हैं। प्रशासन ने इस संबंध में सेना से संपर्क साधा है। सेना के पंप, और उपकरण मंगाए गए हैं तथा उसके टैक्नीकल स्टाफ को बुला लिया गया है। जिला प्रशासन लगातार सेना और बीएसएफ के संपर्क में हैं।

शहर के ब्लॉक एरिया, पुरानी आबादी, जवाहर नगर सहित कई इलाकों में निचले इलाकों में घरों में पानी भर गया। इस घरों के लोगों ने बैड पर शरण ली। शहर के कई इलाकों में लोगों ने नगर परिषद को फोन कर उनके यहां पानी निकालने की गुहार लगाई। सुखाड़िया मार्ग, अशोक नगर, मीरा चौक, गुरु रविदास चौक, सुखाड़िया सर्किल, गौशाला रोड, रवीन्द्र पथ, पुरानी आबादी और इसके आगे शहर के अधिकांश इलाकों में दूर तक बस पानी ही पानी नजर आ रहा था। सड़क के बीच के डिवाइडर पूरी तरह पानी में डूब गए। रोड पर से वाहन चलने के साथ ही पानी घरों और दुकानों में घुस गया। जिले के रायसिंहनगर, सूरतगढ़ और कई अन्य इलाकों में भी तेज बरसात की जानकारी मिली है। इन इलाकों में भी अल सुबह बरसात शुरू हुई। यह देर तक चलती रही। श्रीगंगानगर शहर में बरसात के कारण हालात सबसे ज्यादा बुरे थे।

- सेना से पम्प और उपकरण मंगाए गए हैं और उसका टैक्निकल स्टॉफ बुला लिया गया है।
- शहर के ब्लॉक एरिया, पुरानी आबादी और जवाहर नगर सहित कई इलाकों में घरों में पानी जमा है। सड़क के बीच के डिवाइडर भी जलमग्न हैं।
- निचली बस्तियों और झुग्गी झौंपड़ियों में रहने वालों की जान सांसत में।

श्रीगंगानगर में तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण जिले के अधिकांश इलाकों में पानी भर गया।

हरियाणा के गांव कालांवाली से श्रीगंगानगर में सेंधा नमक बेचने के लिए आई कल्लों का कहना था कि उसकी झोंपड़ी बरसात में बह गई है। इसके साथ ही नमक भी पानी में घुल गया है। उसने अपनी झोंपड़ी के सामने एक दुकान के आगे डेरा लगाया। आसपास के लोगों ने उनके लिए चाय और बिस्कुट उपलब्ध करवाए। वहीं दुकानदार भूपेंद्र सिंह और संदीप शर्मा दुकानों के आगे जमा पानी से सामान के बचाव में जुटे थे। इन लोगों ने दुकानों के आगे लोहे के बोर्ड और रेत के बैग लगाकर पानी रोकने की कोशिश की। इलाके में कई गाड़ियां फंसने से लोग परेशान हो रहे हैं। वहीं निचले इलाकों में प्रशासन ने पंप लगाकर निकासी शुरू करवा दी है। सुबह करीब पांच बजे से इलाके में लगातार पानी बरस रहा है। कई इलाकों में सड़कों का पानी सीधे दुकानों में घुसता नजर आया।

एमएलए राजकुमार गौड़ ने बताया कि इलाके में तेज बरसात से निपटने की तैयारी कर ली गई है। जल्द ही सेना मोर्चा संभाल लेगी। पानी निकासी के लिए पुरानी आबादी, गुरूनानक बस्ती आदि इलाकों में पंप लगवा दिए गए है। एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि इलाके के हालात देखते हुए अब सेना को ही मोर्चा संभालना होगा। इसके लिए बातचीत प्रोसेस में है। सेना का टेक्निकल स्टाफ भी पानी निकासी की व्यवस्था संभालेगा। कुछ दान दाताओं ने कई क्षेत्रों में भोजन के पैकट भिजवाए है।

लामबंद विपक्ष

लखनऊ/ नई दिल्ली, 15 जुलाई (वार्ता)। संसद के आगामी मानसून सत्र में मोदी सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने के लिये विपक्षी दलों को लामबंद करने में जुटे तेलंगाना राष्ट्र समिति (टी.आर. एस.) के अध्यक्ष एवं तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव और विपक्षी दलों के कई नेताओं से बात की।

सूत्रों के अनुसार राव ने 18 जुलाई से आहूत संसद के मानसून सत्र में आर्थिक मुद्दों और अन्य ज्वलंत मसलों पर सत्तापक्ष को घेरने के लिये विपक्ष की एकजुटता का प्रयास तेज कर दिया है। इस कड़ी में आज उन्होंने यादव के अलावा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, बिहार विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के करीबी सहयोगियों, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं से चर्चा की।

सपा के सूत्रों ने बताया कि राव से यादव से संसद के दोनों सदनों में विभिन्न मुद्दों पर सरकार को एकजुट होकर घेरने में टी.आर.एस. के सदस्यों का सहयोग करने की अपील की।

- विपक्ष को लामबंद करने की कोशिश में जुटे मु.मंत्री के.सी. आर।

सुखाड़िया वि.वि. के कुलपति प्रो. अमरीक सिंह निलम्बित

राज्यपाल कलराज मिश्र ने उन्हें अनियमितताओं और राजकार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलम्बित किया है

उदयपुर, 15 जुलाई (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मोहनलाल सुखडिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अमरीक सिंह को विभिन्न प्रकार की अनियमितताओं एवं राजकार्य में बरती गई लापरवाही के कारण निलंबित कर दिया है।

राजभवन से जारी आदेश क्रमांक 3615 दिनांक 14 जुलाई 2022 के तहत राज कार्य में गंभीर लापरवाही बरतने पर उन्हें निलंबित कर उनके विरुद्ध जांच कर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के आदेश दिए गए है। प्रो. अमरीक सिंह के निलंबन आदेश पर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि "एक कुलपति के पद पर होते हुए भी शिक्षक के अनुरूप जो गुण होने चाहिए, वह उनमें नहीं थे। इससे इस बात की शंका उत्पन्न होती है कि वह वास्तव में शिक्षक है भी कि नहीं। फिर गलत दस्तावेज देकर भी सीधे वीसी जैसे पद पर आ गए। यह वास्तव में इस पद की गरिमा को गिराने वाला कृत्य था। दूसरा जिस प्रकार गुरुकुल वाले विश्वविद्यालय में इंवॉल्वमेंट हुआ। अपने यहां विश्वविद्यालय में दस साल का प्रोफेसर ना होते हुए भी डॉक्यूमेंट सबमिट कर दिए। इनको बुलाया तब भी उपस्थित नहीं हुए। एक तरफ से प्रशासन की व सरकार के नियमों की अवहेलना की उसके कारण से निलंबन तो होना ही था। यह निलंबन का केस तो पहले से ही बन गया जब इनकी डिग्री दस साल की नहीं थी। यह अपने आप निलंबित हो जाते लेकिन जांच में लंबा समय लगा। देर आयद दुरुस्त आयद। जो व्यक्ति जिस काबिल था उसे उसी प्रकार की सजा मिली।"

इधर भारतीय जनता पार्टी शहर जिला उदयपुर ने कुलपति के निलंबन आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि सत्य की सदैव जीत हुई है और असत्य को सबक मिला है। भारतीय जनता पार्टी उदयपुर ने राज्यपाल का आभार व्यक्त किया है। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कुलपति अमरीक सिंह ने तानाशाहीपूर्ण रवैये से विश्वविद्यालय के माहौल को खराब किया, वहां के अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया और भ्रष्टाचार के मामले को सामने आने पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं विशेषकर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया पर अनर्गल आरोप लगाकर बचने की असफल कोशिश की। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के नेतृत्व में भाजपा ने दो महीने से भी ज्यादा समय तक कलेक्ट्री पर धरना प्रदर्शन कर सरकार प्रशासन का ध्यान उनकी ओर उसी का आकृष्ट किया। आज सुखद परिणाम है कि ऐसे व्यक्ति को सबक मिला है।

- कुलपति प्रो. अमरीक सिंह के निलम्बन आदेश पर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि "कुलपति पद पर रहते हुए भी शिक्षक के अनुरूप गुण उनमें नहीं थे। इस बात की शंका उत्पन्न होती है कि वह वास्तव में शिक्षक भी हैं या नहीं।"
- "उनका गुरूकुल वाले विश्वविद्यालय में इन्वॉल्मैंट हुआ। उन्होंने युनिवर्सिटी में दस साल तक प्रोफेसर ना रहने के बावजूद उसके डॉक्यूमैन्ट्स सबमिट कर दिए।"

शिव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने अधिकार, जिसकी गारंटी देश के संविधान के अनुच्छेद 25 में दी गई है, को काम मे लेते हुये, पूजा-अर्चना कर सकें। इससे पूर्व, पाँच महिलाओं ने याचिका दायर करके उन हिन्दू देवी-देवताओं की पूजा प्रतिदिन करने की अनुमति माँगी थी, जिनकी मूर्तियां मस्जिद की बाहरी दीवार पर स्थित हैं। लेकिन, मुस्लिम पक्ष ने इस केस को खारिज कर देने का निवेदन किया था। इसके बाद, अधीनस्थ अदालत ने संबंधित कॉम्पलेक्स का वीडियोग्राफी-सर्वे कराये जाने के आदेश दिये थे। सर्वे का काम 16 मई को पूरा हो गया था तथा 19 मई को इसकी रिपोर्ट अदालत में पेश कर दी गई थी। इसके बाद, हिन्दू पक्ष अदालत में कहा था कि ज्ञानवापी मस्जिद-शृंगार गौरी कॉम्पलेक्स के वीडियोग्राफी सर्वे के दौरान, एक शिवलिंग मिला था।

बी.सी.सी.आई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रशासकों के रूप में छः वर्ष पूरे कर चुके हैं तथा इनका 3 साल का आवश्यक कूलिंग पीरियड़ भी बाकी हैं। मुख्य न्यायाधीश एन.वी.रमना की अध्यक्षता वाली बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी भी शामिल हैं, ने कोई वादा तो नहीं किया, लेकिन यह जरूरत हैं कि "देखेंगे" कि क्या इस मामले की सुनवाई अगले सप्ताह हो सकती हैं। इस प्रकरण की जल्द सुनवाई का अनुरोध वरिष्ठ वकील पी.एस. पाटवालिया ने किया था।

कोविड 19...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गये। ऐक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 1,39,033 हो गई। पूरे देश का टीकाकरण-आँकड़ा 200 करोड़ तक पहुँचने जा रहा है, शुक्रवार को यह संख्या 199.47 करोड़ तक पहुँच गई थी, जबकि 18.29 लोगों को पिछले 24 घंटे में टीका लगाया गया।

'अगर बच्चे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐसा करने से जजों को शाम को और कार्य करने के लिए और अधिक समय मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट की बैंचेज़ सप्ताहांत में सुबह 10.30 बजे की सायं 4 बजे तक बैठती हैं।"

सैनिक की गोलीबारी में सेना के दो जवान शहीद

जम्मू, 15 जुलाई (वार्ता)। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में गोलीबारी की घटना में सेना के दो जवानों की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए। रक्षा सूत्रों ने कहा कि पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में सेना के एक शिविर में शुक्रवार की सुबह गोलीबारी की घटना में सेना के चार जवान घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि एक क्रोधित जवान ने अपने साथियों पर गोलियां चलाईं और बाद में अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। उन्होंने कहा कि गोलीबारी की घटना के कारण अज्ञात है। उन्होंने कहा कि दो जवानों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- एक क्रोधित जवान ने अपने साथियों पर गोलियां चलाईं और बाद में अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली, इस घटना में कुल चार सैनिकों को गोली लगी।

पाकिस्तान से लगे राजस्थान बॉर्डर पर अब "ड्रोन" से हैरोइन तस्करी

पाकिस्तान के हैरोइन तस्कर पहले चौड़ी पाइप डालकर उस पार से नशीले पदार्थ पहुंचाते थे

श्रीगंगानगर, 15 जुलाई (कासं)। राजस्थान से सटे पाकिस्तान बॉर्डर इलाकों में हैरोइन तस्करी लगातार बढ़ती जा रही है। बॉर्डर से सटे इलाकों में नशा तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। पहले जहां बॉर्डर पार से पाइप से हैरोइन भेजी जाती थी। वहीं अब यह तरीका हाईटेक हो चुका है।

ढाई महीने में श्रीगंगानगर से लगते पाकिस्तान बॉर्डर पर 70 करोड़ रुपए से अधिक की हैरोइन पकड़ी जा चुकी है। इन मामलों में तस्कर किसानों को ही निशाना बना रहे हैं। इतना ही नहीं सप्लाई के लिए काला गुलाब जैसे अलग-अलग कोडवर्ड इस्तेमाल किए जाते हैं। पाकिस्तानी तस्कर भारतीय किसानों को धन का लालच देकर इस खेल में शामिल करते हैं। ये किसान भारत में हैरोइन के पैकेट आने के बाद उन्हें अपने खेतों में छुपाकर रखते हैं। इसकी एवज में उन्हें अपने खेतों में हैरोइन के पैकेट रखने होते हैं।

हैरोइन तस्करी के लिए फलां दुकान के सामने 'काला गुलाब' जैसे कोड वर्ड इस्तेमाल किए जाते हैं। यही निर्धारित कोड बताने पर हेरोइन की डिलीवरी दे दी जाती है। आरोपी इसे लेकर ज्यादातर पंजाब की ओर चले जाते हैं। तस्कर करीब दो साल पहले तक पाइप का उपयोग करते थे। पाकिस्तान के हैरोइन तस्कर सीमा के उस पार से चौड़ी पाइप हमारे इलाके में डालते थे और उसके जरिए हैरोइन यहां पहुंचा दी जाती थी।

करीब ढाई से तीन साल पहले तक इलाके में ऐसे पाइप पकड़े गए थे, लेकिन अब लम्बे समय से तस्करों ने ड्रोन का उपयोग करना शुरू कर दिया है। अब वे सीधे ड्रोन के जरिए इलाके में हैरोइन के पैकेट डालते हैं और यहां के किसानों से संपर्क करते हैं। एक ड्रोन के जरिए चार किलो तक के हैरोइन पैकेज भेजे जा सकते हैं। बॉर्डर से दूर होने पर तो इनका पता भी नहीं लगता है। बीएसएफ के सूत्रों के अनुसार नजदीक आने पर पंखा चलने जैसी हल्की आवाज आती है।

बीएसएफ जवान जितनी देर में इन पर निशाना साधता है, ड्रोन अपना काम करके पाकिस्तानी सीमा में लौट जाते हैं। इन्हें तीन से चार किलोमीटर दूर से ऑपरेट किया जाता है। आमतौर पर पाकिस्तान की आर्मी पोस्ट के पीछे से। अब बीएसएफ बॉर्डर पर एंटी ड्रोन तकनीक डेवलप करने पर विचार कर रही है।

इस फील्ड में काम कर रही कंपनियों से संपर्क साधा गया है। एसपी आनंद शर्मा बताते हैं कि रुपए के लालच में किसान अपराध कर रहे हैं। सीमावर्ती इलाके के किसानों को लालच देकर उनके खेत में पैकेट डाले जा रहे हैं। किसानों को हर पैकेट पर एक लाख रुपये दिए जाते हैं।

- पिछले ढाई महीने में श्रीगंगानगर से लगते पाकिस्तान बॉर्डर पर 70 करोड़ रूपए से अधिक की हैरोइन पकड़ी जा चुकी है।
- सप्लाई के लिए "काला गुलाब" जैसे अलग-अलग कोडवर्ड इस्तेमाल किए जा रहे हैं।
- भारत के किसान हैरोइन के पैकिट आने पर उन्हें अपने खेतों में छिपाकर रखते हैं।

कांग्रेस ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलावा, 35 अरब डॉलर का विदेशी निवेश भी वापस आ गया था, जबकि भारत से जाने वाले निवेश की मात्रा 12 अरब डॉलर थी।

सुप्रिया ने कहा कि निवेशकों का मोदी सरकार में कोई विश्वास नहीं है क्योंकि आर.बी.आई. करीब 40 अरब डॉलर खर्च करने के बाद भी, रूपये की कीमत को बढ़ाने में विफल रहा है। यह स्थिति दर्शाती है कि इस सरकार की नीतियों में निवेशकों का रत्तीभर भी विश्वास नहीं रहा हैं।

उन्होंने कहा कि रूपये में आई गिरावट को लेकर प्रधानमंत्री तथा उनके चाटुकारों की फौज की सूचमेद्य खामोशी असफल अर्थव्यवस्था तथा बेलगाम महँगाई का स्पष्ट संकेत है क्योंकि सरकार दिशाविहीन एवं किंकर्तव्यविमूढ़ है तथा मोदी रूपये के लिये विषाक्त एवं नुकसानदायक हैं।

'अब संसद भवन परिसर में सांसद धरना एवं विरोध प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे'

राज्यसभा सचिवालय ने इस संदर्भ में शुक्रवार को यह नोटिफिकेशन जारी किया

नई दिल्ली, 15 जुलाई। मानसून सत्र से पहले नोटिफिकेशन आने का दौर जारी है। असंसदीय शब्दों की नई सूची जारी होने होने का विवाद अभी थमा भी नहीं था कि एक और नोटिफिकेशन जारी हो गया। यह नोटिफिकेशन जारी होते ही विवाद भी उफान पर पहुंच गया। संसद की कार्रवाई के दौरान आप अक्सर देखते होंगे कि कुछ सांसद या पार्टियां किसी विषय को लेकर संसद परिसर में ही धरने करने लगते थे। ज्यादातर ये धरने परिसर में स्थित महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने हुआ करता था। लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। दरअसल राज्यसभा सचिवालय के द्वारा जारी एक नोटिफिकेशन में कहा गया है कि संसद भवन परिसर का इस्तेमाल धरना, प्रदर्शन, हड़ताल, अनशन या धार्मिक समारोहों के लिये नहीं किया जा सकता।

धरना-प्रदर्शन को लेकर यह नोटिफिकेशन ऐसे समय में सामने आया है जब एक दिन पहले ही लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी असंसदीय शब्दों के संकलन को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने सरकार पर निशाना साधा था। मानसून सत्र से पहले राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी द्वारा जारी नोटिफिकेशन में इस विषय पर सदस्यों से सहयोग का अनुरोध किया गया है। बुलेटिन में कहा गया है कि, " सदस्य संसद भवन परिसर का इस्तेमाल धरना, प्रदर्शन, हड़ताल, अनशन या धार्मिक समारोहों के लिये नहीं कर सकते।" इस फैसले का विरोध करते हुए कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने सरकार पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया कि, 'विषगुरू का ताजा प्रहार, धरना मना है। " उन्होंने इसके साथ 14 जुलाई का नोटिफिकेशन भी साझा किया है।

गौरतलब है कि एक दिन पहले ही संसद में बहस आदि के दौरान सदस्यों द्वारा बोले जाने वाले कुछ शब्दों को असंसदीय शब्दों की श्रेणी में रखे जाने के मुद्दे पर विपक्षी दलों ने सरकार को घेरते हुए कहा था कि सरकार की सच्चाई दिखाने के लिए विपक्ष द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सभी शब्द अब असंसदीय माने जाएंगे।

रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम डील में अब अमेरिका आड़े नहीं आयेगा

अमेरिका की संसद ने प्रतिबंधों से भारत को छूट देने का विधेयक पारित किया

वाशिंगटन, 15 जुलाई (वार्ता)। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) की प्रतिनिधि सभा ने एस -400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के लिए काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेंक्शन्स एक्ट (सी.ए.ए.टी.एस.ए.) प्रतिबंध में भारत को विशेष छूट दिलाने वाले संशोधित विधेयक को पारित किया है। अमेरिका ने रूस से एस- 400 मिसाइल प्रणाली को खरीदने को लेकर भारत के खिलाफ काट्सा एक्ट लागू किया था। भारतीय अमेरिकी कांग्रेसी रो खन्ना द्वारा लिखित और पेश किए गए संशोधन विधेयक को प्रतिनिधि सभा ने भारी बहुमत से पारित कर दिया। संशोधन विधेयक के पक्ष में 330 वोट पड़े, जबकि 99 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया।

राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून (एन.डी.ए.ए.) पर सदन में चर्चा के दौरान गुरुवार को ध्वनि मत से संशोधित इस विधेयक को पारित कर दिया गया। इसका मकसद भारत को काट्सा में छूट प्रदान करना है।

खन्ना ने कहा, "अमेरिका को चीन के बढ़ते आक्रामक रूख के मद्देनजर भारत के साथ खड़ा रहना चाहिए। भारत कॉकस के उपाध्यक्ष के तौर पर मैं हमारे देशों के बीच भागीदारी को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने पर काम कर रहा हूं ताकि भारत-चीन सीमा पर भारत अपनी रक्षा कर सकें। यह संशोधन अत्यधिक महत्वपूर्ण है और मुझे यह देखकर गर्व हुआ कि इसे दोनों दलों के समर्थन से पारित किया गया है।" सदन में अपनी टिप्पणियों में खन्ना ने कहा कि अमेरिका-भारत भागीदारी से ज्यादा महत्वपूर्ण अमेरिका के रणनीतिक हित में और कुछ भी इतना जरूरी नहीं है।

विधेयक में कहा गया है कि 'यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमेर्जिंग टेक्नोलॉजीस' (आई.सी.ई.टी.) दोनों देशों में सरकारों, शैक्षणिक समुदाय और उद्योगों के बीच करीबी साझेदारी विकसित करने के लिए एक स्वागत योग्य कदम है ताकि कृत्रिम बुद्धिमता, क्वांटम कम्प्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी, एरोस्पेस और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में नवीनतम प्रगति को अपनाया जा सकें।

वर्ष 2017 में पेश काट्सा के तहत रूस से रक्षा और खुफिया लेन-देन करने वाले किसी भी देश के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का प्रावधान है। इसे 2014 में क्रीमिया पर रूस के कब्जे और 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में मॉस्को के कथित हस्तक्षेप के जवाब में लाया गया था।

- भारतीय अमेरिकी कांग्रेसी सांसद रो खन्ना कहा कि, इस मामले में पेश किए गए संशोधन विधेयक को प्रतिनिधि सभा ने भारी बहुमत से पारित कर दिया। संशोधन विधेयक के पक्ष में 330 वोट पड़े, जबकि 99 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया।
- विधेयक में कहा गया है कि, अमेरिका, भारत की बिजनैस एवं अन्य इनिशिएटिव डवलपमैंट की राह में हमेशा एक सहयोगी के तौर पर मदद करेगा।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस इतना मुस्कुरा क्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कभी भी किसी भी युद्ध में यदि प्रमुख हथियारों के रूप में इकोनॉमिक टूल्स का उपयोग किया गया, तो वो यह युद्ध है। रूस युद्ध की इस बड़ी भूल के बावजूद सरवाइव कर रहा है और उसका कारण है, गैस और ऑयल के उसके विशाल भंडार। सर्वाधिक अमीर और सर्वाधिक शक्तिशाली देशों की पंक्ति, रूस के विरोध में मंद पड़ गई है क्योंकि वे ऊर्जा के लिए पूरी तरह से रूस पर निर्भर हैं।

सख्त प्रतिबंधों और बहिष्कार का निशाना बनी रूस की इकॉनमी में जैसे नई जान पड़ गई। माना जा रहा था कि रूस की मुद्रा, रूबल में भारी गिरावट होगी। इसके बजाय, शुरू की गिरावट के बाद इसमें सुधार हुआ है। इतना ही नहीं, रूबल की एक्सचेंज रेट बेहतर होकर उस स्तर पर आ गई है जो रूस द्वारा युद्ध शुरू करने के पहले थी।

आर्थिक युद्ध में एनर्जी सप्लाई की अपनी भारी शक्ति से रूस प्रतिकार कर रहा है और पश्चिमी यूरोप फ्यूल की कमी का सामना करने के बाद नींद से जागा है। यूरोप बड़ी बेपरवाही से पूरी तरह से रूस की एनर्जी सप्लाई पर निर्भर हो गया था और अब इसके परिणाम भुगत रहा है।

जर्मनी की पूर्व चांसलर, एंजला मार्केल के नेतृत्व में यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यह मान कर चल रही थी कि, रूस से पावर सप्लाई बिना बाधा के जारी रहेगी। यह भ्रम अब बुरी तरह टूट चुका है और जर्मनी हमेशा के लिए गैस सप्लाई के स्थगन की संभावना पर विचार कर रहा है।

पश्चिमी दुनिया के लिये, दो स्पष्ट खलनायक हैं, जो मिलकर रूस की मदद कर रहे हैं- भारत और चीन। इस साल फरवरी से लेकर अब तक, इन दोनों देशों ने मिलकर कम से कम 24 अरब डॉलर की ऊर्जा रूस से खरीदी है। और यह तो एक छोटा-सा बदलाव है। यूरोपीय देश मिलकर इसकी कम से कम दस गुना गैस रूस से खरीदते हैं, बशर्ते उसके पास उपलब्ध हो तथा वह देना चाहे। लेकिन रूस का उद्देश्य तो यूक्रेन-समर्थकों को ऊर्जा-सप्लाई के लिये तरसाकर, दंडित करना है।

यह स्थिति यूरोप के लिये बड़ी खतरनाक है। अगर आप पाइप लाइनों तथा पड़ोस की शिपिंग लेनों जैसे सुस्थापित माध्यमों के जरिये, पिछले 20 साल से एक ही स्रोत (रूस) से ऊर्जा (गैस) खरीदते आ रहे हैं तो, आप एकाएक किसी दूसरे स्रोत (देश) से खरीदना शुरु नहीं कर सकते। गैस बाजार विशिष्ट रूप से क्षेत्रीय हुआ करते हैं तथा सप्लाई नैटवर्क से बंधे हुये होते है। तेल के विपरीत, गैस अगर तरल रूप में न हो तो उसे बहुत दूर स्थित स्थानों तक भेजा ही नहीं जा सकता। गैस के तरलीकरण के प्लांट बहुत ही कम हैं तथा उनमें आपस में काफी दूरी है तथा इन प्लांटों से एकाएक ऐसी अपेक्षा नहीं की सकती कि वे और ज्यादा तथा विभिन्न ग्राहकों को गैस सप्लाई कर सकें।

प्राकृतिक गैस पर्यावरण मित्रवत होने की दृष्टि पसंदीदा ईंधन माना जाता है। पिछले दो दशकों से, कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने के लिये, गैस के उपयोग अर्थव्यवस्था के लिये अनुकूल रहा है। इस प्रकार, यूरोपीय अर्थव्यवस्थाएं प्राकृतिक गैस के उपयोग के फलस्वरूप विकसित हुई है। और अब उनके लिये गैस की उपलब्धता समाप्त हो गई है।

यूरोप को बार-बार सचेत किया जा रहा है कि इस साल की शीत ऋतु विशेष ठंडी रहेगी क्योंकि उनके घर तथा चूल्हे गैस की सुनिश्चित सप्लाई के बिना गर्म एवं आरामदायक नहीं रह सकेंगे।

गैस-सप्लाई में गतिरोध सारी दुविधा को समान रूप से प्रभावित कर रहा है। रूस पर लगाये गये प्रतिबंधों के कारण, रूसी गैस का लेन-देन, खासतौर से रूसी गैस की कीमत का भुगतान, बहुत मुश्किल हो गया है। इन घटनाक्रमों के कारण, गैस की कीमतें कुल मिलाकर बढ़ गई हैं तथा गैस विभिन्न प्रकार के उर्वरकों के उत्पादन के लिये मूलभूत "फीडस्टॉक" हुआ करती है। कहने का मतलब यह है कि गैस-अर्थशास्त्र के फलस्वरूप खाद्यान्न की कमी हो जायेगी, क्योंकि उर्वरकों (खाद) की कीमतें बढ़ जायेगी तथा बुवाई के समय से पहले ही उर्वरकों की कमी हो जायेगी।

गैस के अलावा, तेल के दाम भी बढ़ गये हैं। अब विभिन्न देशों से उतनी मात्रा में तेल खरीद पाना मुश्किल हो गया है, जितनी मात्रा उनकी अर्थव्यवस्थाओं को यथावत बनाये रखने के लिये जरूरी है। भारत का ही उदाहरण ले लीजिए, तेल की कीमतें बढ़ने से सारी चीजों की कीमतें बढ़ रही हैं। हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जो हमें 1973 ऑयल स्टॉक की याद दिला रही है। यह प्रतिकूल परिस्थिति केवल इस लिहाज से अच्छी है कि दुनिया को यह अहसास हो जायेगा कि मानव जीवन के चलते रहने के लिये वैकल्पिक ईंधन अत्यावश्यक हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908